रौल नं०.....नाम परीक्षार्थी.....

XII-1 अर्द्धवार्षिक परीक्षा सन् 2023–24 ई० A

हिन्दी (केवल प्रश्न–पत्र)

समय – 3.00 घण्टा कक्षा – 12 पूर्णांक – 100

खण्ड 'क'

1. (क) हिन्दी में खड़ी बोली का जन्मदाता माना जाता है :– 1
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को (ब) प्रतापनारायण मिश्र को
(स) गुलाबराय को (द) लाला लल्लूलाल को।

(ख) 'भारतेन्दु' के समकालीन लेखक नहीं हैं :– 1
(अ) पण्डित बालकृष्ण भट्ट (ब) प्रतापनारायण मिश्र
(स) किशोरीलाल गोस्वामी (द) अध्यापक पूर्णसिंह।

(ग) 'दीपदान' नामक रचना है :– 1
(अ) नाटक (ब) भेंटवार्ता
(स) लघुकथा (द) एकांकी।

(घ) हिन्दी कहानी एक नई दिशा की ओर मुड़ी :– 1
(अ) सन् 1900 ई. में (ब) सन् 1910 ई. में
(स) सन् 1920 ई. में (द) सन् 1935 ई. में।

(ङ) 'हिन्दी प्रदीप' के सम्पादक कौन हैं :– 1
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) बालकृष्ण भट्ट
(स) प्रतापनारायण मिश्र (द) गुलाबराय।

2. (क) 'जयचन्द प्रकाश' किसकी रचना है :– 1
(अ) चन्दबरदाई (ब) नरपति नाल्ह
(स) भट्ट केदार (द) विद्यापति।

(ख) 'कामायनी' की विधा है :– 1
(अ) महाकाव्य (ब) नाटक
(स) उपन्यास (द) कहानी।

(ग) 'तार सप्तक' के प्रकाशनकर्ता हैं :– 1
(अ) विद्यानिवास मिश्र (ब) मुक्तिबोध
(स) अज्ञेय (द) हजारीप्रसाद द्विवेदी।

(घ) तुलसीदास ने 'श्रीरामचरितमानस' की रचना की है :– 1
(अ) व्रजभाषा (ब) भोजपुरी में
(स) अवधी में (द) खड़ीबोली में।

(ङ) निम्न में प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं है :– 1
(अ) कुतुबन (ब) मंझन
(स) शेखनबी (द) कबीरदास।

3. निम्न गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:– 10

पृथिवी और आकाशा के अन्तराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथिवी के चारों ओर फैले हुये आकाश गम्भीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नए भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नई किरणें जब तक नहीं फूटतीं, तब तक हम सोए हुए के समान हैं।

(पृष्ठ पलटिए)

(अ) गद्यांश के शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) राष्ट्रीयता की भावना के लिये किसके प्रति चेतना जाग्रत होनी आवश्यक है?
(द) राष्ट्र और राष्ट्र के निवासियों को कब तक सुप्त ही समझना चाहिए?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामन्त-सभ्यता की परिष्कृत रूचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गए, समाज में ढह गए, और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई। संतान-कामिनियों को गन्धर्वो से अधिक शक्तिशाली देवताओं का वरदान मिलने लगा-पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली-दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया।

(अ) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार सामन्त क्यों उखड़ गये।
(द) विशाल सामन्त-सभ्यता कैसे समृद्ध हुई थी?

4. निम्न में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 10

(क) तरनि-तनूजा-तट तमाल तरुवर बहु छाए।
झुके कूलसौं जल परसन हित मनहु सहाए॥
किधौं मुकुर मैं लखत उझकि सब निज-निज शोभा।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा।
मनु आतप वारन तीर कौं सिमिटि सबै छाए रहत।
कै हरि सेवा हित नै रहे निरसि नैन मन सुख लहत॥
(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।
(स) तट पर वृक्ष किस रूप में दिखाई पड़ रहे हैं?
(द) वृक्ष जल के दर्पण में क्या देखना चाहते हैं?

(ख) कान्ह-दूत कैधौं ब्रह्म-दूत ह्वै पधारे आप
धारे प्रन फेरन कौ मति ब्रजबारी की।
कहै 'रतनाकर' पै प्रीति-रीति जानत ना
ठानत अनीति आनि नीति लै अनारी की॥
मान्यौ हम, कान्ह ब्रह्म एक ही, कह्यौ जो तुम
तौहूँ हमें भावति ना भावना अन्यारी की
जैहै बनि बिगरि न बारिधिता बारिधि कौं
बूँदता बिलैहै बूँद बिबस विचारी की॥
(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) गोपियों के समक्ष श्रीकृष्ण का दूत बनकर कौन आया है?

(द) गोपियों के अनुसार उद्धव किसके समान बाते कर रहे थे?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी महत्व कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5

(अ) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

(ब) कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'

(स) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5

(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) मैथिलीशरण गुप्त

(स) जयशंकर प्रसाद

6. 'खून का रिश्ता' अथवा 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। 5

7. स्वपठित नाटक के किसी एक पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

खण्ड 'ख'

8. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 7

(क) संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशी किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

अथवा

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यान्न कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत्। पण्डितमोतीलालनेहरू-लालालाजपतरायप्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतंत्रतासङ्ग्रामेऽवतीर्णः। देहल्यां त्रयोविंशतितमे काङ्ग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आङ्ग्लशासकाः भीताः जाताः।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :- 7

न मे रोचते भद्रं वः उलकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति॥

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:- 4

(क) संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः कः अस्ति?

(ख) कः सर्वज्ञः भवति?

(ग) दिलीपः कस्य प्रदेशस्य राजा आसीत्?

(घ) हंसपोतिका परिरूपेण कस्य वरणम् अकरोत्?

10. (क) करूण रस अथवा हास्य रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

(ख) यमक अलंकार अथवा उपमा अलंकार की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

(ग) चौपाई अथवा दोहा छन्द की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

(पृष्ठ पलटिए)

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए तथा प्रारम्भ में संक्षिप्त रूपरेखा भी लिखिए:- 9

(क) विज्ञान : वरदान या अभिशाप।
(ख) साहित्य समाज का दर्पण है।
(ग) ग्रामीण व्यवस्था और कृषक जीवन।

12. (क) (अ) 'कलाविव' का सन्धि-विच्छेद होगा :- 1

(i) कला + विव (ii) कलौ + इव
(iii) कल + आविव (iv) कला + आविव ।

(ब) 'योद्धा' का सन्धि-विच्छेद होगा:- 1

(i) यो + द्धा (ii) य + उद्धा
(iii) योध् + धा (iv) यो + धा।

(स) 'वृद्धः' का सन्धि-विच्छेद है :- 1

(i) वृ + द्धः (ii) वृ + द्धयः
(iii) वृध् + अधः (iv) वृध् + धः।

(ख) (अ) निम्न में से किसी एक शब्द का समास विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए :- 1

उपतटम्, प्रतिगृहम्, महाबाहुः, श्वेताम्बरा

(ब) 'अनुरूपम्' में समास है :- 1

(i) तत्पुरुष (ii) कर्मधारय
(iii) अव्ययीभाव (iv) बहुव्रीहि।

13. (क) (अ) 'नीत्वा' शब्द में प्रत्यय है :- 1

(i) क्त (ii) क्त्वा
(iii) अनीयर् (iv) तल्।

(ब) 'रस + वतुप्' के योग से शब्द बनेगा :- 1

(i) रसभरी (ii) रसवरी
(iii) रसवान् (iv) रसितः।

(ख) (अ) 'ग्रामं निकषा नदी वहति।' वाक्य में 'ग्रामम्' में विभक्ति है :- 1

(i) षष्ठी (ii) द्वितीया
(iii) चतुर्थी (iv) तृतीया

(ब) 'चतुर्थी विभक्ति होती है :- 1

(i) विकरति अंग में (ii) समया के योग में
(iii) अभितः के योग में (iv) नमः के योग में।

14. किसी उद्योग के प्रबन्धक को लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए। 8

अथवा

विद्यालय के वार्षिक उत्सव के लिये प्रधानाचार्य की ओर से एक निमंत्रण पत्र लिखिए।